शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग

आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ, भारत

Email: *shodhmanthaneditor@gmail.com*

सह सम्पादकः

डॉ0 वजिरा गुनासेन,

भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन और प्रदर्शन कला विभाग

श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय, श्रीलंका

Email: *journal@anubooks.com*

सम्पादकीय समिति

प्रो0 श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा,

डॉ0 विशेष गुप्ता, सेवार्निवित प्रो0, एम0एच0पी0जी0 कॉलिज, मुरादाबाद. *guptavishesh56@gmail.com*

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0,, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर *satyveer171@gmail.com*

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर. *vinod_kalra66@yahoo.com*

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एस0एन0 सेन बी0 वी0 पीजी कॉलिज, कानपुर नगर, *angelanamika22@gmail.com*

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद, *mailme.pujakapoor@rediffmail.com*

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0ए सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा, *kamnacmk78@gmail.com*

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस, *kdramjatton@yahoo.com*

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

In India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Out of India	$ 75.00 प्रति अंक	$ 300.00 वार्षिक

सम्पादकीय

मानव अपने जीवन के प्रारम्भ से ही शोध कार्य करता रहता है। जैसे–जैसे आयु बढ़ती है, शोध की उत्कृष्टता बढ़ती जाती है और क्षेत्र भी बदलता जाता है। शोध कार्य की गुणवत्ता मनुष्य की सोच व व्यापक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है जिसके लिए समय, शक्ति व श्रम के साथ–साथ संयोजन, समर्पण व प्रस्तुतीकरण भी आवश्यक होता है।

शोध मंथन कई वर्षों से अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इस अंक में धार्मिक दृष्टि से सम्बन्धित चिंतन परम्परा में विराट–पुरूष की जिज्ञासा, रामचरितमानस में रूणित रोगों की व्याख्या : एक समीक्षात्मक–विश्लेषण, श्री रामचरितमानस में अमृतमयी सीमा का चरित्रांकन, याज्ञवल्क्य स्मृति में दायविधान : एक ऐतिहासिक अध्ययन, उत्तराखण्ड के जौनसार–बावर क्षेत्र का प्रसिद्ध लोकोत्सव 'मरोज़'–एक अध्ययन, वाल्मीकि समाज में शैक्षणिक एवं व्यवसायिक गतिशीलता, आदि शोध पत्र हैं। राजनीति से सम्बनिधत भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका का मूल्यांकन, भारतीय लोकतंत्र में महिला राजनीति की सहभागिता, आदि शोध पत्र हैं। भूगोल से सम्बन्धित जनपद अमरोहा (उ०प्र०) में गन्ने की फसल के अन्तर्गत कृषि क्षेत्रफल एंव संलग्न मानव संसाधन का भौगोलिक विश्लेषण, उत्तराखंड में आपदाएं एवं इनके प्रबन्धन का उपाय, शोध पत्र हैं। भाषा से सम्बन्धित हिन्दी की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता, बीसवीं शताब्दी में संस्कृत नाटक शोध पत्र हैं। समाज से सम्बन्धित महिलाओं के विरूद्ध हिंसाः एक अवलोकन, सशक्त नारीः सशक्त भारत, बाल श्रम सुधार कानून, नीतियां व कार्यक्रम, भारतीय अनुरक्षा एवं द्वितीय पोखरण विस्फोट–एक अध्ययन, आधुनिक लोकतान्त्रिक भारत के राष्ट्र निर्माण : डॉ० अंबेडकर की क्रांति, गौतम बुद्ध की नारी के प्रति दृष्टिः एक अध्ययन, देवबंद दारूल उलूम का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदानः 1920 से 1947 ईसवीं के विशेष सन्दर्भ में, राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक एवं सहायक तत्वः एक मूल्यांकन, आधी आबादी का सत्यः 'और...और...औरत आत्मकथा के सन्दर्भ में, भारत में बढ़ते बाल अपराध की समस्याएं तथा तीन तलाक और मुस्लिम महिला शोध पत्र हैं। सभी शोध पत्र शोध मंथन के नियमानुसार ही लिखे गये हैं। साथ ही, सम्बन्धित विषय के तीन विषय महारथियों से शोध पत्र प्रकाशन हेतु तार्किक आधार पर स्वीकृति प्राप्त की गई ताकि गुणवत्ता से कोई समझौता ना हो सके।

शोध पत्र लेखकों, संपादक व प्रकाशक के साथ–साथ विषय विशेषज्ञों की महती भूमिका के कारण ही यह जर्नल अपनी पहचान इतने कम समय में बनाने में सक्षम हो सका है। हमारा प्रयास है कि भविष्य में इस जर्नल को प्रसिद्धि व सफलता की उच्चतम सीढ़ी तक पहुंचा सकें। आप सभी से जर्नल को उत्कृष्टता प्रदान करने हेतु सुझाव सादर आमन्त्रित हैं। विश्वस्तरीय शोध पत्रों की प्रतीक्षा में,

सम्पादक मंडल

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 8.783 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XIII No. II **Apr.-June 2022**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

29. चिंतन परम्परा में 'विराट–पुरूष की जिज्ञासा'
डॉ० अर्चना गिरि 160

30. ''रामचरितमानस में रूणित रोगों की व्याख्या'' एक : समीक्षात्मक–विश्लेषण
डॉ० विनय कुमार शर्मा 165

31. श्री राम चरित मानस में अमृतमयी सीता का चरित्रांकन
डा० कैलाश चन्द्र दिवाकर 172

32. भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका
डॉ० हरीश कुमार 179

33. जनपद अमरोहा (उ०प्र०) में गन्ने की फसल के अन्तर्गत कृषि क्षेत्रफल एवं संलग्न मानव संसाधन का भौगोलिक विश्लेषण
डॉ० रमेश चन्द्र 188

34. हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता
डॉ० पूनम भारद्वाज 197

35. महिलाओं के विरूद्ध हिंसा : एक अवलोकन
डॉ० रजनी श्रीवास्तव 201

36. समीक्षावादी चित्रकारों में से प्रमुख 'त्रयी' और प्रमुख मान्यताएँ
डॉ० अमृत लाल 209

37. गौतम बुद्ध की नारी के प्रति दृष्टि : एक अध्ययन
डा० शशी नोटियाल, प्रमोद कुमार 215

38. सशक्त नारीः सशक्त भारत
डा० सुमन शर्मा 221

39. बाल श्रम सुधार : कानून, नीतियां व कार्यक्रम
डॉ० अर्चना 227
40. भारतीय अणु रक्षा नीति एवं द्वितीय पोखरण विस्फोट एक अध्ययन
प्रशांत कुमार, डॉ० लता शर्मा 234
41. उत्तराखण्ड के जौनसार–बावर क्षेत्र का प्रसिद्ध लोकोत्सव ''मरोज़''– एक अध्ययन
डॉ० अरविन्द वर्मा 242
42. वाल्मिकी समाज में शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिशीलता
डॉ० संगीता अठवाल 246
43. उत्तराखण्ड में आपदाएं एवं इनके प्रबन्धन के उपाय
डा० सिराज अहमद 253
44. सामाजिक एवं राजनीतिक विकास में अनुसूचित जाति की भूमिका का मूल्यांकन
डॉ० अलका रानी 260
45. आधुनिक लोकतांत्रिक भारत के राष्ट्र निर्माता : डॉ० अंबेडकर की क्रान्ति
डॉ० राकेश कुमार 265
46. याज्ञवल्क्य स्मृति में दायविधानः एक ऐतिहासिक अध्ययन
अंजली गुप्ता 270
47. देवबंद दारुल उलूम का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदानः
1920 से 1947 ईस्वी के विशेष संदर्भ में
डा० शशि नौटियाल, वसीम चौधरी 276
48. राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक एवं सहायक तत्वः एक मूल्यांकन
डॉ० प्रदीप कुमार 281
49. आधी आबादी का सच : 'और....और....औरत' आत्मकथा के सन्दर्भ में
पूनम चौहान 289
50. बींसवी शताब्दी के संस्कृत नाटक
डॉ० सुखनन्दन त्यागी 294
51. भारत में बढ़ते बाल अपराध की समस्याऐं
डॉ० प्रमिला रानी 303

52. किसान आंदोलन का समाजशास्त्रीय अध्ययन
सोनल गंगवार, डॉ० सुमन 309
53. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल विकास के अवसर
आकाश दीप, डॉ० सीमा पंवार 313
54. तीन तलाक़ और मुस्लिम महिला
सनिया ख़ानम 323
55. सामाजिक परिवेश में समकालीन महिला कलाकारों की भूमिका
रूबी चौधरी, डॉ० अंजू चौधरी 328
56. भूमि उपयोग प्रतिरूप और फसल गहनता का विश्लेषण जनपद फतेहपुर
आशिष प्रताप सिंह, डा० राम किशोर त्रिपाठी 334
57. उपनिषदों में ब्रह्म का निरूपण
परमार जिगिशा बेन, मारूती सिंह 345